# बसन्त, ग्रीष्म, वर्षा, शरद, हेमन्त, शिशिर, ये छओं ऋतुओं का वर्णन दोहा सवैया व कवित्तों में कियागया है ॥

जिला नव्वाबगज मौजे मानपूर निवासी लाला बैजनाथ कुरमी ने अत्यन्त परिश्रम से कवित्त पढने वालों के अनुराग के लिये रचना किया

मुंशी नवलकिशोर ( सी. आई. ई. ) के छापेखाने मे छपा
दिसम्बर सन १९०६ ई० ॥